वन धन विकास केन्द्र (#VDVK) के अन्तर्गत सीताफल संग्रहण एवं विक्रय ज़िला यूनियन: अलीराजपुर

सीताफल साईज में छोटा, 350 से 450 ग्राम वजन का तथा कम गूदे एवं अधिक बीज वाला अलीराजपुर जिले के सीताफल की विशेषता हैं। जिले में सीताफल संग्रहण का कार्य 20-25 दिवस की सीमित समयावधि माह अक्टूबर-नवम्बर में त्यौहार की तरह रहता हैं।

जिला लघु वनोपज सहकारी यूनियन मर्यादित अलीराजपुर अन्तर्गत प्रथम बार संग्रहण सीजन माह अक्टूबर 2021 में वन विभाग के सहयोग से सीताफल संग्रहण एवं विक्रय का कार्य समिति एवं वन धन विकास केन्द्र अलीराजपुर एवं आमखूट के स्व-सहयता समूह के सदस्यों के द्वारा किया गया।

वन धन विकास केन्द्र अलीराजपुर के ग्राम अम्बारी, रीछवी, भयडिया की चैकी, सोमकुआ, मालवई, बेहडवा एवं वन धन विकास केन्द्र आमखूट के ग्राम आमखूट, मण्डार, कनेरा, प्रतापपुरा, डूंगरगांव के कुल 11 ग्रामों के 07 स्व-सहायता समूहों के कुल 70 सदस्यों द्वारा 06 दिवस में कुल 10500 कि.ग्रा. सीताफल एकत्र किया जाकर इन्दौर एवं गुजरात राज्य ले भरूच के बाजार में थोक विक्रय एवं धार तथा अलीराजपुर के बाजार में फुटकर विक्रय किया गया। समूह के सदस्यों के द्वारा सीताफल राशि रू.1,40,635/- (समस्त व्यय सहित) में क्रय किया गया, जिसे राशि रू. 177681/- में बेचा जाकर राशि रू. 37046/- का लाभ अर्जित किया गया। सीताफल का संग्रहण से 70 समूह सदस्यो को राशि रू.74,470/- का मजदूरी के रूप में प्राप्त हुआ। उक्त सीताफल संग्रहण एवं विक्रय से कुल 52 परिवार लाभांवित हुए।

समूह के सदस्यों का सक्रिय प्रतिनिधि रोस्टर अनुसार अन्य साथी समूह सदस्यों के मध्य सीताफल संग्रहण की तिथि एवं खरीदी हेतु गावं में ही स्थल निर्धारित करवाया गया। तद्उपरांत अगले दिवस प्रातः काल से ही समूह

सदस्य सीताफल संग्रहण में लग जाते हैं। ग्रामीणों द्वारा लाया गया सीताफल निर्धारित स्थल पर कैरेट में ग्रेडिंग किया जाकर क्रेट में पैकिंग किया जाता हैं। ग्रेडिंग के आधार पर रु 90/- से रु 150/- तक विभेदक दर से कच्चा ठोस सीताफल क्रय किया जाता है। क्रेट से परिवहन से सीताफल की गुणवत्ता अथवा किसी भी प्रकार की क्षति से बचाया जाता है। किराए की गाड़ी से परिवहन किया जाकर इंदौर तथा भरुच के मंडी सीताफल का ग्रेडिंग के अनुसार रु 250/- से रु 500/- तक विक्रय किया गया। वाहन किराया, क्रेट किराया, टोल टेक्स एवं अन्य व्यय, हम्माली, एसोसियेशन फंड, ब्रोकर कमीशन इत्यादि कटौती उपरांत शुद्ध लाभ राशि रु.37046/- प्राप्त किया गया।

सीताफल एक शीघ्र नष्ट होने वाला पदार्थ है, जो भंडारण तथा पारिवहन के दौरान जोखिम से भरा हुआ है। इसके बावजूद सदस्यों के द्वारा जोखिम भरा प्रयास किया गया। वन मंडल अधिकारी अलीराजपुर के मार्ग दर्शन में समिति के नोडल अधिकारी एवं प्रबंधकों ने समर्पण एवं निष्ठा के साथ कार्य को अंजाम दिया।

इस प्रकार का प्रथम प्रयास में स्व-सहायता समूह के सदस्यों में काफ़ी उत्साह देखने को मिला तथा संगठित रूप से कार्य करने हेतु समर्पण पाया गया। इस सीजन के अनुभव के आधार पर स्व-सहायता समूह के सदस्यों को आगामी सीजन में सीताफल व्यपार को एक बृहद रूप देकर अधिक से अधिक लाभ अर्जन किए जाने हेतु प्रेरणा का स्त्रोत बनेगा। आशा है कि इस प्रकार के प्रयास से और भी सदस्यों को समूह में शामिल होने हेतु उत्साह वर्धन करेगा।